**इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्टस्**
उन की
आर्टस् प्रॅक्टिस कार्यक्रम के अंतर्गत
**कार्यशाला / आवासीय कार्यक्रम**
परियोजना के लिए प्रस्ताव मंगा रही है
**आवेदन पूरे वर्ष स्वीकार किए जाएंगे**

आर्ट्स प्रैक्टिस कार्यक्रम उन परियोजनाओं को लागू करने का प्रयास करता है जहां कलाकार अपनी कला को नए तरीकों से बढ़ाना चाहते हैं। यह रूढ़ियों को चुनौती देने वाला, कला-निर्माण की सीमाओं को आगे बढ़ाने वाला, प्रस्तुति में नवीनता, आयोजन स्थल और दर्शकों को जोड़ने के नए तरीके, कुछ ऐसा हो सकता है जो कुल मिलाकर प्रयोग पर जोर देता हो।

**कार्यशाला / आवासीय कार्यक्रम**
इतिहास गवाह है कि जब विभिन्न विषयों के कलाकारों ने अपनी अवधारणाओं को एक साथ लाया, तो कलात्मक तरीकों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। कलाकारों का यह एक साथ आना या तो एक क्षेत्र के भीतर या पीढ़ियों के बीच एक साथ आने का स्वरूप ले सकता है। कलाकार तकनीकों और अवधारणाओं पर चर्चा, नवाचार और सुधार करेंगे। आज, कलात्मक कार्यशालाएँ और आवासीय कार्यक्रम, सहकर्मी नेटवर्क के लिए, महत्वपूर्ण स्थान बन सकते हैं, जहाँ रचनात्मक ऊर्जाएँ एकत्रित हो सकती हैं। ये स्थान यह पता लगाने के लिए उपयोगी हो सकते हैं की प्रथाएं कैसे विकसित हो रही हैं और देखें की वे कैसे प्रगति कर रही हैं। ये कार्यक्रम अब तक अनसुनी आवाज़ों को समुदायतक लाने का स्थान बन सकते हैं।

आर्ट्स प्रैक्टिस कार्यक्रम के तहत, हम कार्यशाला / आवासीय कार्यक्रमों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित कर रहे हैं। ऐसे प्रस्ताव जो आदान-प्रदान, संवाद, चर्चा, सीखने और मार्गदर्शन को बढ़ावा देने वाली स्थितियाँ बनाने का प्रयास करते हैं। इसमें ऐसी चीज़ें शामिल हो सकती हैं जो कलाकारों का पोषण करती हैं, सहयोग को प्रोत्साहित करती हैं और प्रयोग की सुविधा प्रदान करती हैं; कार्यशालाएँ या सभाओं के अन्य रूप जो ज्ञान निर्माण, परिप्रेक्ष्य बनाने और कला प्रथाओं का विस्तार करने में मदद करते हैं।

**परियोजना की अवधि:** अधिकतम छह महीने

**कुल व्यय (बजट):** अधिकतम रु. **3,00,000/-** (आप पारिश्रमिक के रूप में प्रस्तावित बजट की अधिकतम 30% राशि का अनुरोध कर सकते हैं।)
**अंतिम तिथि:** आवेदन पूरे वर्ष स्वीकार किए जाएंगे

## आवेदन कौन भेज सकता है?
हम विभिन्न विधाओं में काम करने वाले कला प्रेमियों से प्रस्ताव आमंत्रित कर रहे हैं। इनमें निम्नलिखित कलाएँ शामिल हो सकती हैं:

- संगीत, ध्वनि, लेखन, नृत्य, आंदोलन, थिएटर, कठपुतली कलाकार, कहानी सुनानेवाले, जादू, सर्कस और अन्य प्रदर्शन कलाओं में काम करने वाले कलाकार

- फिल्म (वृत्तचित्र और कहानी आधारित), एनीमेशन, फोटोग्राफर, कलाकार, नए मीडिया व्यवसायी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial intelligence), रोबोटिक्स (robotics), इंटरैक्टिव कला, खेल, पेंटिंग, मूर्तिकला, प्रिंटमेकिंग, कॉमिक्स और अन्य दृश्य कलाएँ।
- क्यूरेटर, विशेष रूप से संग्रहालय के बाहर काम करने वाले।
- साहित्य से जुड़े कवि, उपन्यासकार, नाटककार
- ऐसे कलाकार जो विभिन्न शैलियों में एक साथ काम कर रहे हैं

**पात्रता:**
प्रस्ताव भेजने की पात्रता भारतीय नागरिकता है। यह अनिवार्य है कि आपका प्रस्तावित पार्टनर भी भारतीय नागरिक ही हो। अधिक जानकारी के लिए यहां क्लिक करें।

## प्रस्ताव भेजने की विधि:

आपका बायोडाटा जिसमें पता, फोन नंबर और ईमेल आईडी और निम्नलिखित मुद्दों के साथ प्रस्ताव:
- एक कलाकार या संग्रहकर्ता के रूप में आपके जो भी प्रश्न हो वो प्रश्न
- कार्यशाला/आवासीय कार्यक्रम के पीछे की आपकी प्रेरणा
- जो विषय आपने कार्यशाला/आवासीय कार्यक्रम के लिए चुना है, उसके बारे में कुछ
- कार्यशाला/आवासीय कार्यक्रम के लिए आपके द्वारा चुनी गई अवधारणा का विस्तार
- योगदानकर्ताओं/प्रतिभागियों/सहयोगियों के लिए संकल्पित किया गया एक अनुभव
- कार्यशाला/आवासीय कार्यक्रम के लिए आप जो विधि चुनते हैं उस विधि का वर्णन
- विस्तृत कार्यक्रम और बजट
- इस प्रयोग से संबंधित आपके द्वारा किए गए पिछले कार्यों के उदाहरण

आप अपना प्रस्ताव किसी भी भारतीय भाषा या अंग्रेजी में लिख सकते हैं। आईएफए हमेशा अंग्रेजी के अलावा भारतीय भाषाओं में लिखी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करता है। आप IFA स्टाफ से फीडबैक के लिए अपने प्रश्न और मूल अवधारणाएँ लिखित, ऑडियो या वीडियो में प्रस्तुत कर सकते हैं।

आप अपना अंतिम आवेदन, 25 एमबी तक, एक ही ईमेल में जॉन जेवियर्स, प्रोग्राम ऑफिसर, आर्ट्स प्रैक्टिस को john@indiaifa.org पर भेज सकते हैं। इस ईमेल की विषय पंक्ति होगी: **Project Proposal for Workshops/Residencies (Arts Practice).** प्रश्नों या स्पष्टीकरण के लिए, आप इसी ईमेल पर संपर्क कर सकते हैं।

**सभी चयनित परियोजनाएं आईएफए द्वारा क्रियान्वित की जाएंगी।**

***कृपया ध्यान दें कि आईएफए एक सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो बच्चों सहित सभी का समर्थन, सम्मान और सुरक्षा करता है। प्रत्येक आवेदक को इसे ध्यान में रखना चाहिए और हमेशा इस अवधारणा का पालन करना चाहिए।***